प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं.5/2024)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2024

तुरंत जारी करने हेतु वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

"30 सितम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए
"भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने **30 सितम्बर, 2023** को समाप्त तिमाही के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट" जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा **1 जुलाई, 2023 से 30 सितम्बर, 2023** की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट **www.trai.gov.in** और लिंक http://www. trai.gov.in/release-publication/reports/performance-indicators-reports) पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए श्री अमित शर्मा, सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली से दूरभाष-011-23234367 एवं ई-मेल advfea2@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

वि. रघुनन्दन

वि. रघुनन्दन)
सचिव, भा.दू.वि.प्रा.

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट
जुलाई से सितम्बर, 2023

कार्यकारी सारांश

1. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या सितम्बर, 2023 के अंत में बढ़कर 918.19 मिलियन हो गई जो कि जून, 2023 के अंत में 895.83 मिलियन थी जिसमें 2.50 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। कुल 918.19 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 37.11 मिलियन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 881.08 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

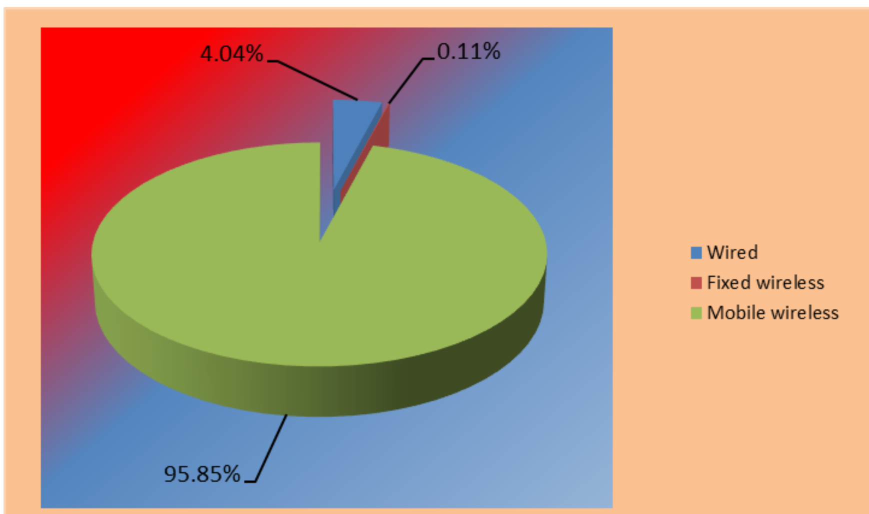

2. इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या में ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 885 मिलियन और नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 33.19 मिलियन है।

3. ब्राडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2023 के अंत में बढ़कर 885 मिलियन हो गई जो कि जून, 2023 के अंत में 861.47 मिलियन थी जिसमें 2.73 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2023 के अंत में घटकर 33.19 मिलियन हो गई जो कि जून, 2023 के अंत में 34.36 मिलियन थी।

4. वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2023 के अंत में बढ़कर 30.98 मिलियन हो गयी जो कि जून, 2023 के अंत में 30.31 मिलियन थी जिसमें 2.19 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई और सितम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 17.03 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

5. वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 1.96 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर के साथ सितम्बर, 2023 के अंत में बढ़कर 2.22 प्रतिशत हो गया जो कि जून, 2023 के अंत में 2.18 प्रतिशत था।

6. वायरलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 2.76 प्रतिशत तिमाही वृद्धि दर के साथ सितम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 149.66 रुपए हो गया जो कि जून, 2023 को समाप्त तिमाही को 145.64 रुपए था। इसी तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मासिक एआरपीयू में 8.99 प्रतिशत की दर से वृद्धि हो गया।

7. वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू सितम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 148 रूपए हो गया जो कि जून, 2023 को समाप्त तिमाही को 143.81 रूपए था और इसी तिमाही के दौरान प्रतिमाह पोस्ट-पेड एआरपीयू भी 166.22 रुपए से बढ़कर 167.93 रुपए हो गया।

8. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए 1.21 प्रतिशत की ह्रास दर के साथ समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह सितम्बर 2023 को समाप्त तिमाही के लिए घटकर 948 मिनट हो गया जो कि जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए 960 मिनट था।

9. वारयलेस प्रीपेड सेवा के लिए सितम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही में एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह घटकर 989 मिनट हो गया जो कि जून, 2023 को समाप्त तिमाही में 1000 मिनट था। पोस्ट-पेड एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह भी सितम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही में घटकर 495 मिनट हो गया जो कि जून, 2023 को समाप्त तिमाही में 509 मिनट था।

10. सितम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमश: 82,741 करोड़ रुपए, 79,747 रुपए तथा 66,583 करोड़ रुपए रहा। सितम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 2.28 प्रतिशत की, एपीजीआर में 1.78 प्रतिशत की तथा एजीआर में 1.46 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

11. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर, एपीजीआर तथा एजीआर में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः -1.22 प्रतिशत, 6.74 प्रतिशत तथा 7.43 प्रतिशत दर्ज की गई।

12. सितम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए पास-थ्रू-प्रभार पिछले तिमाही के 13,220 करोड़ रुपए से बढ़कर 13,425 करोड़ रुपए हो गया। पास-थ्रू-प्रभार में तिमाही वृद्धि दर 1.55 प्रतिशत हालांकि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर गिरावट दर 0.15 प्रतिशत रही।

13. सितम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क बढ़कर 5,326 करोड़ रुपए हो गया जो कि जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए 5,246 करोड़ रुपए था। इस

तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 1.53 प्रतिशत तथा 8.23 प्रतिशत रही।

<u>समायोजित सकल राजस्व का वितरण</u>

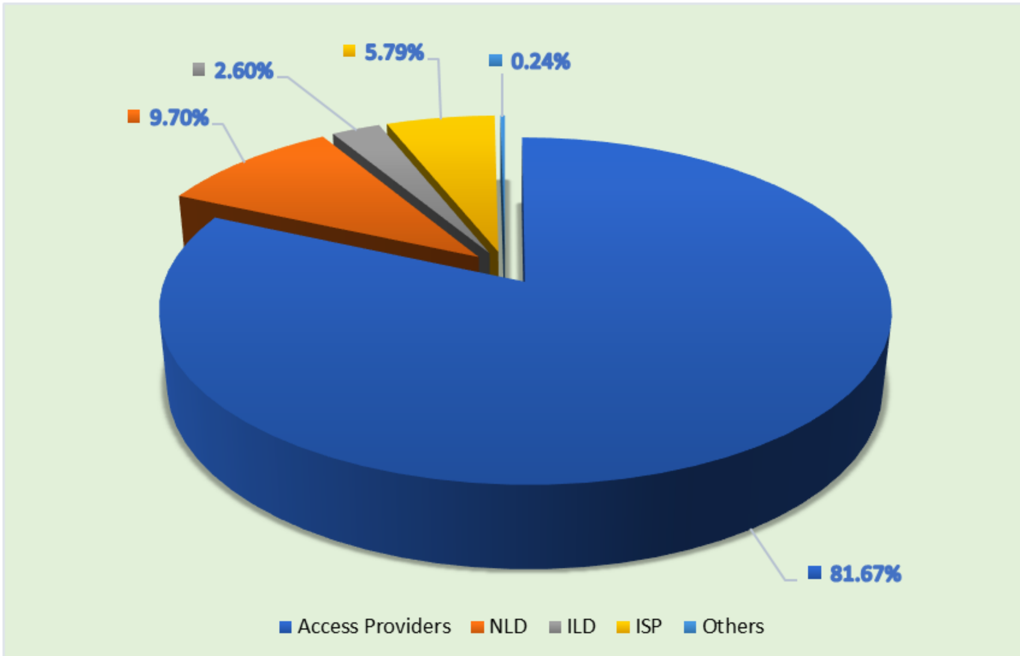

14. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 81.67 प्रतिशत का योगदान दिया। सितम्बर 2023 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) एवं पास-थ्रू प्रभारों में क्रमशः 3.68 प्रतिशत, 2.52 प्रतिशत, 2.91 प्रतिशत, 3.06 प्रतिशत, 2.20 प्रतिशत एवं 0.66 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

15. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2023 के अंत में बढ़कर 1,181.13 मिलियन हो गई जो कि जून, 2023 के अंत में 1,173.89 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.62 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 0.79 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व

30 जून, 2023 को 84.43 प्रतिशत से बढ़कर 30 सितम्बर, 2023 को 84.76 प्रतिशत रहा।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रुझान

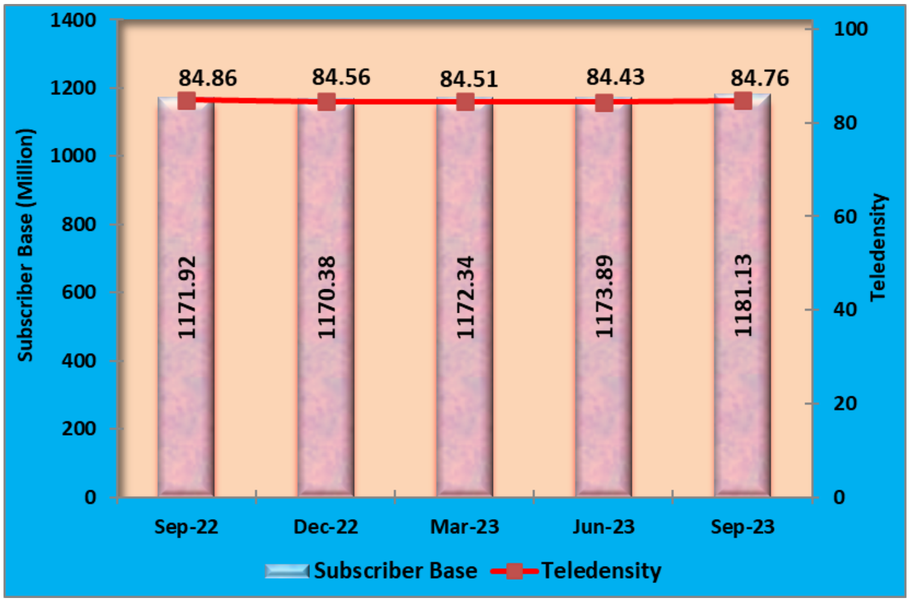

16. सितम्बर, 2023 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 658.46 मिलियन हो गई जो कि जून, 2023 के अंत में 653.70 मिलियन थी और इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 133.19 प्रतिशत से बढ़कर 133.54 प्रतिशत हो गया।

17. सितम्बर, 2023 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 522.66 मिलियन हो गई जो कि जून 2023 के अंत तक 520.19 मिलियन थी और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 57.83 प्रतिशत से बढ़कर 58.05 प्रतिशत हो गया।

18. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी सितम्बर, 2023 के अंत तक घटकर 44.25 प्रतिशत हो गई जो कि जून, 2023 के अंत तक 44.31 प्रतिशत थी।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

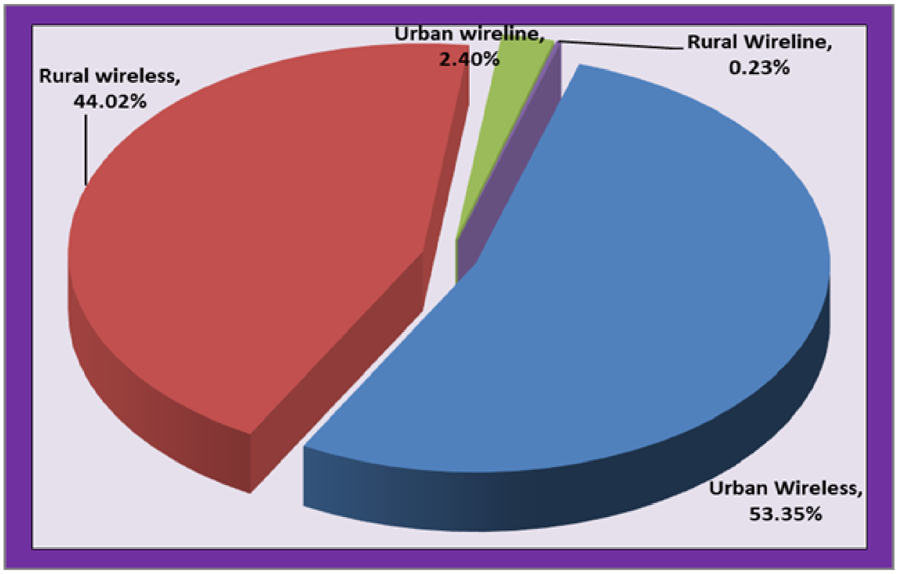

19. इस तिमाही के दौरान 6.57 मिलियन वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2023 के अंत तक बढ़कर 1,150.15 मिलियन हो गई जो कि जून, 2023 के अंत तक 1,143.58 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.57 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी दौरान वर्षिक आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 0.41 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गयी।

20. वायरलेस दूरसंचार घनत्व 0.35 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर के साथ सितम्बर, 2023 के अंत में बढ़कर 82.54 प्रतिशत हो गया जो कि जून, 2023 के अंत में 82.25 प्रतिशत था।

21. इस तिमाही के दौरान, वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस बेंचमार्क के संदर्भ में निम्नलिखित मापदंडों का पूरी तरह से अनुपालन किया गया है: -

    i. 'फॉल्ट रिपेयर' प्रति 100 उपभोक्ता/महीने में फॉल्ट की संख्या) ≤ 7

    ii. प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्शन' (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क को पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) ≤ 0.5%

iii. 'मीटरिंग और बिलिंग' क्रेडिबिलिटी-पोस्ट-पेड ≤ 0.1%

iv. मीटरिंग और बिलिंग क्रेडिबिलिटी - प्री-पेड ≤ 0.1%

v. 4 सप्ताह के भीतर बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट और वैधता शिकायतों का 98% समाधान

vi. 6 सप्ताह के भीतर बिलिंग/चार्जिंग क्रेडिट और वैधता शिकायतों का 100% समाधान

vii. शिकायत के समाधान के 1 सप्ताह के भीतर ग्राहक के 100% क्रेडिट/छूट/समायोजन लागू करने की अवधि

22. वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस में पिछली तिमाही की तुलना में निम्नलिखित मापदंडों में सुधार दिखाया गया है: -

i. कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की उपलब्धता ≥ 95%

ii. नब्बे सेकंड के भीतर ऑपरेटरों (वॉयस टू वॉइस) द्वारा उत्तर दिए गए कॉल का प्रतिशत ≥ 95%

iii. सेवा बंद होने के बाद जमा की गई राशी की वापसी के लिए लिया गया समय (60 दिनों के भीतर 100%)

23. वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस में पिछली तिमाही की तुलना में निम्नलिखित मापदंडों में गिरावट दर्ज की गई है: -

i. % फॉल्ट को अगले कार्य दिवस के भीतर ठीक किया गया (शहरी क्षेत्रों के लिए) ≥ 85%

24. इस तिमाही के दौरान, सभी सेल्युलर मोबाइल सेवा प्रदाताओं द्वारा पिछली तिमाही की तुलना में पूरी तरह से अनुपालन किए गए मापदंडों की सूची: -

i. बीएस संचित डाउन-टाइम (सेवा के लिए उपलब्ध नहीं) (%) ≤ 2%

ii. डाउन-टाइम (%) के कारण बीएस सबसे अधिक प्रभावित ≤ 2%

iii. सर्किट स्विच्ड वॉयस या वीओएलटीई के लिए कॉल सेट-अप सफलता दर और सत्र स्थापना सफलता दर, जैसा लागू हो (लाइसेंसधारी के अपने नेटवर्क के भीतर) ≥ 95%

iv. एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल कंजेशन/आरआरसी कंजेशन (%) ≤ 1%

v. टीसीएच, आरएबी और ई-आरएबी कंजेशन (%) ≤ 2%

vi. नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर अस्थायी वितरण उपाय [नेटवर्क_ क्यूटीडी (90,90)] ≤ 2%

vii. नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर अस्थायी वितरण उपाय [नेटवर्क_ क्यूटीडी (97,90)] ≤ 3%

viii. अच्छी आवाज की गुणवत्ता, सर्किट स्विच्ड आवाज की गुणवत्ता और VoLTE गुणवत्ता के साथ कनेक्शन ≥ 95%

ix. डाउन लिंक (डीएल) पैकेट ड्रॉप दर या डीएल - पीडीआर ≤ 2%

x. अप लिंक (यूएल) पैकेट ड्रॉप दर या यूएल-पीडीआर ≤ 2%

xi. प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्शन (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क को पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) ≤ 0.5%

xii. मीटरिंग और बिलिंग क्रेडिबिलिटी-पोस्टपेड ≤ 0.1%

xiii. मीटरिंग और बिलिंग क्रेडिबिलिटी-प्रीपेड ≤ 0.1%

xiv. 4 सप्ताह के भीतर बिलिंग/चार्जिंग/वैधता शिकायतों का समाधान - 98%

xv. 6 सप्ताह के भीतर बिलिंग/चार्जिंग/वैधता शिकायतों का समाधान - 100%

xvi. शिकायत के समाधान के 1 सप्ताह के भीतर समाधान की तिथि से ग्राहक के खाते में क्रेडिट/छूट/समायोजन लागू करने की अवधि

xvii. कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की पहुंच > 95%

xviii. समाप्ति/सेवा बंद करना <7 दिन

xix. सेवा बंद होने के बाद जमा की वापसी के लिए लिया गया समय (60 दिनों के भीतर 100%)

25. सेलुलर मोबाइल सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस में पिछली तिमाही की तुलना में निम्नलिखित मापदंडों में सुधार दिखे है: -

i. डाउन-टाइम के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीएस (%) <2%

ii. कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की पहुंच ≥ 95%

iii. नब्बे सेकंड के भीतर ऑपरेटरों (वॉयस टू वॉइस) द्वारा उत्तर दिए गए कॉल का प्रतिशत ≥ 95%

26. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) द्वारा कुल लगभग 915 निजी उपग्रह टीवी चैनलों को केवल अपलिंकिंग/केवल डाउनलिंकिंग/अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दोनों के लिए अनुमति दी गई है।

27. संशोधित टैरिफ आदेश दिनांक 3 मार्च 2017 के अनुसरण में प्रसारकों द्वारा की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 904 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से, 30 सितम्बर 2023 तक, 361 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। 361 पे चैनलों में, 257 एसडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं और 104 एचडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं।

28. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। देश में पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या सितम्बर 2023 के अंत में 4 थी।

29. देश में पे-डीटीएच के कुल औसत सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या 30 सितम्बर, 2023 को लगभग 64.18 मिलियन हो गई है। यह संख्या दूरदर्षन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं की संख्या के अलावा है। कुल सक्रिय ग्राहक बेस तिमाही जून 2023 में 65.50 मिलियन से घटकर तिमाही सितम्बर 2023 में 64.18 मिलियन हो गया है।

30. आल इंडिया रेडियो-सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, दिनांक 30 सितम्बर, 2023 को 36 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 113 शहरों में कुल 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे थे। पिछली तिमाही की तुलना में, इस तिमाही में निजी एफएम रेडियो चैनलों, शहरों और एफएम रेडियो ऑपरेटरों की संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ है

31. प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञापन से प्राप्त कुल आय 30 सितम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही में 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 408.37 करोड़ रूपये रही जो कि 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही में 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन के लिए 389.97 करोड़ रूपये थी।

32. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 30 सितम्बर, 2023 को देश में कुल 465 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झलकियां

30 सितम्बर, 2023 की स्थिति के अनुसार डाटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वायरलैस+वायरलाइन)	
कुल उपभोक्ता	1,181.13 मिलियन
पिछले तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.62 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	658.46 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	522.66 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	91.13 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	8.87 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	84.76 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	133.54 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	58.05 प्रतिशत
वायरलैस उपभोक्ता	
कुल वायरलैस उपभोक्ता	1,150.15 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.57 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	630.17 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	519.99 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	91.69 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	8.31 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	82.54 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	127.81 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.75 प्रतिशत
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	47,629 पेगाबाईट
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	65,811
वीसैट की कुल संख्या	2,53,445
वायरलाइन उपभोक्ता	
कुल वायरलाइन उपभोक्ता	30.98 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	2.19 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	28.30 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	2.68 मिलियन
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	29.52 प्रतिशत
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	70.48 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	2.22 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.30 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	5.74 प्रतिशत
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	68,606
पब्लिक काल आफिसों की संख्या (पीसीओ)	30,643

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	82,741 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.28 प्रतिशत
तिमाही के दौरान प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर)	79,747 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एपीजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	1.78 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	66,583 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	1.46 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	3.93 प्रतिशत
इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ता	918.19 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	2.50 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ता	33.19 मिलियन
ब्राडबैंड उपभोक्ता	885 मिलियन
वाययलाईन इंटरनेट उपभोक्ता	37.11 मिलियन
वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ता	881.08 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	542.53 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	375.66 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ता	65.89
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	110.03
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	41.72
सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट की संख्या	1,65,533
कुल खपत डेटा (जीबी)	73,23,038
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अपलिकिंग/केवल डाऊनलिंकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	915
प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट किये गये पे-टीवी चैनलों की संख्या	361
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	388
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं के कुल सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या	64.18 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	465
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मासिक आय (एआरपीयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	149.66 रुपए
वायरलेस सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	948 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (आऊटगोईंग) उपयोग मिनट	74.14 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डाटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह औसत डाटा उपयोग	19.08 जीबी
तिमाही के दौरान वायरलेस सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा प्रयोग के लिए औसत मूल्य	9.22 रुपए